विधानसभा में 3 कर्मचारी सेवानिवृत्त

जयपुर । विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी विधान सभा के अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति कितने अधिक संवेदनशील है, इसका उदाहरण उन्होंने एक बार पुन: बुधवार को विधानसभा के तीन कर्मियों के सेवानिवृत्ति कार्यक्रम में उपस्थित होकर दिया। विधानसभाध्यक्ष देवनानी पिछले 2 वर्षों से भी अधिक समय से विधानसभा के अधिकारियों और कर्मचारियों के लगभग सभी सेवानिवृति कार्यक्रमों में लगातार उपस्थित रहते आए है। बुधवार को विधानसभा के तीन कर्मियों अनुभाग अधिकारी सत्यनारायण सैनी, वरिष्ठ लिपिक ताराचन्द बाटड और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सागर देवी के सेवानिवृत्ति समारोह में भी वे व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुए। इस समारोह में राज्य के स्वायत्त शासन एवं नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा भी विशेष रूप से उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विकास कार्यों पर चर्चा की

जयपुर । उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राज्य सरकार की बजट घोषणाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, विकास कार्यों की गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्ध पूर्णता पर विशेष जोर देते हुए विकास कार्यों को तेजी प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। उप मुख्यमंत्री बुधवार को पीडब्ल्यूडी मुख्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रही थी। इस दौरान विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि सभी परियोजनाएं तय समयसीमा के भीतर पूरी हों। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता से कोई समझौता न किया जाए और योजनाओं का लाभ आमजन तक समय पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य विकास कार्यों को तेज गति देना और जनता को समय पर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। बैठक में जनसेवा और विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को बनाए रखने पर विशेष बल दिया गया। इस दौरान उन्होंने एनएच, एनएचएआई, सीआरआईएफ, आरएसआरडीसी सहित विभिन्न सड़क एवं अवसंरचनात्मक परियोजनाओं की बिन्दुवार समीक्षा की ।

असंतृप्त औद्योगिक क्षेत्रों में 60 फीसदी दर पर आवंटन करेगा रीको प्रशासन

प्रदेश के जिन औद्योगिक क्षेत्रों में 3 नीलामियों के बाद भी कुल बिक्री योग्य भूखंड़ों का 10 फीसदी से ज्यादा आवंटन नहीं हो पाया, वहां उद्यमियों को बड़ी राहत दी गई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । प्रदेश के जिन औद्योगिक क्षेत्रों में 3 नीलामियों के बाद भी कुल बिक्री योग्य भूखंड़ों का 10 फीसदी से ज्यादा आवंटन नहीं हो पाया है, ऐसे असंतृप्त औद्योगिक क्षेत्रों में रीको प्रशासन ने बड़ी राहत दी है। रीको प्रशासन इन जगहों पर भूखण्डों का आवंटन प्रचलित औद्योगिक दर या आरक्षित दर (जो भी अधिक हो) के 60 प्रतिशत मूल्य पर करेगा। इन औद्योगिक क्षेत्रों में लीज अवधि को भी 99 वर्ष से घटाकर 33 वर्ष कर दिया गया है।

- **इन औद्योगिक क्षेत्रों में लीज अवधि को भी 99 वर्ष से घटाकर 33 वर्ष कर दिया गया है।**

प्रत्यक्ष आवंटन योजना के नौवें चरण में 27 असंतृप्त औद्योगिक क्षेत्रों को शामिल किया गया, जिनमें उद्यमियों का अच्छा रेस्पॉन्स देखने को मिला है। इन औद्योगिक क्षेत्रों के 22 भूखण्डों पर 25 आवेदन प्राप्त हुए हैं। यह कदम उद्योग स्थापना की लागत को कम करने में सहायक होगा।

निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार की घोषणा के अनुरूप रीको ने प्रत्यक्ष आवंटन योजना की वैधता 31 दिसंबर 2026 तक बढ़ा दी है। निवेशकों की प्रत्यक्ष आवंटन योजना में भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से एमओयू से जुड़े नियमों में शिथिलता दी है। अब राइजिंग राजस्थान एमओयू होल्डर्स योजना के चरण प्रारंभ होने पर भी ईएमडी जमा कराने की अंतिम तिथि तक एमओयू निष्पादित कर पात्र बन सकेंगे, जिससे अधिक निवेशकों को अवसर मिलेगा। पूर्व में निवेशक प्रत्यक्ष आवंटन योजना का चरण प्रारंभ होने से 15 दिन पूर्व यदि एमओयू कर लेते थे, तभी वे उस चरण में भाग ले पाते थे।

रीको के कुछ ऐसे औद्योगिक क्षेत्रों में भी निवेशकों ने रूचि दिखाई थी जो विशेष श्रेणी के उद्योगों के लिये आरक्षित थे। इन क्षेत्रों में निवेशक सामान्य श्रेणी के उद्योग लगाना चाहते थे। इसके लिए रीको ने इन क्षेत्रों में उपयोग की श्रेणी में बदलाव किया है। जयपुर के औद्योगिक क्षेत्र मानपुर माचेडी जो पहले लेदर उद्योग के लिए आरक्षित था, अब सामान्य श्रेणी के लिए बना दिया गया है। इसी प्रकार इंटीग्रेटेड रिसोर्स रिकवरी पार्क थौलाई, जयपुर तथा बोरानाडा (जोधपुर) स्थित मेडिकल डिवाइस पार्क के कुछ भाग को भी सामान्य श्रेणी के उद्योगों के लिए उपलब्ध कराया गया है। मेडिकल डिवाइस पार्क, बोरानाडा में इस नए क्षेत्र को इंडस्ट्रियल ग्रोथ पार्क बोरानाडा एक्सटेंशन नाम दिया गया है।

एस.आई. भर्ती प्रकरण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में कैवियट दायर

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ की ओर से एसआई भर्ती-2021 को रद्द करने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में राज्य सरकार की ओर से एसएलपी पेश करने आशंका को देखते हुए हाईकोर्ट के याचिकाकार्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट में केविएट दायर की है। जिससे कि इस भर्ती को लेकर एसएलपी पेश होने पर कोई भी फैसला होने से पहले उनका पक्ष भी सुना जाए।

यह केविएट मूल याचिकाकर्ता व असफल अभ्यर्थी कैलाश चन्द्र शर्मा व अन्य की ओर से दायर की है। इनकी ओर से गुहार की गई है कि हाईकोर्ट की खंडपीठ के भर्ती रद्द करने के एकलपीठ के फैसले को बरकरार रखने के आदेश के खिलाफ यदि राज्य सरकार या अन्य कोई चयनित अभ्यर्थी सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर करे तो उन्हें सुने बिना कोई आदेश नहीं दिए जाए।

गौरतलब है कि हाईकोर्ट ने 859 पदों की एसआई भर्ती-2021 में बड़े पैमाने पर पेपर लीक व धांधली होने के आधार पर उसे रद्द करने के आदेश दिए थे।

इसके खिलाफ दायर राज्य सरकार व अन्य की अपील का निस्तारण करते हुए खंडपीठ ने भी एकलपीठ के आदेश को सही माना था। राज्य सरकार की ओर से फिलहाल हाईकोर्ट की खंडपीठ के फैसले पर विचार विमर्श किया जा रहा है और अभी तक एसएलपी दायर करने को लेकर निर्णय नहीं हुआ है।

ऑटोमाइज्ड तुलाई कांटों का लाइव परीक्षण शुरु

यूजर फ्रैण्डली मोबाइल एप भी जल्द ही होगा जारी : अपर्णा अरोरा

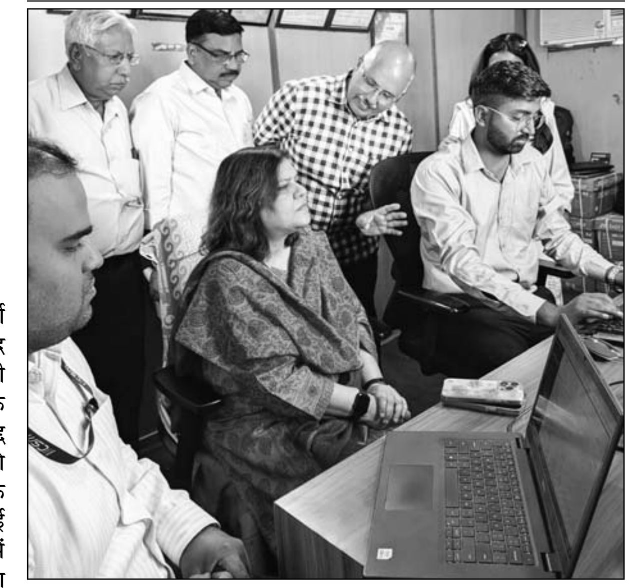

अतिरिक्त मुख्य सचिव खान एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोरा ने जयपुर के उगरियावास में एडप्ट इंफ्रा के तुलाई कांटे से औपचारिक लाइव परीक्षण किया।

जयपुर । राज्य में खनन क्षेत्र के ऑटोमाइज्ड अधीकृत तुलाई कांटों का बुधवार से लाइव परीक्षण शुरु कर दिया गया है। अतिरिक्त मुख्य सचिव खान एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोरा ने जयपुर के उगरियावास में एडप्ट इंफ्रा के तुलाई कांटे से औपचारिक लाइव परीक्षण शुरु करते हुए ऑटोमाइज्ड व्यवस्था की विस्तार से जानकारी ली।

उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा खान धारकों और विभागीय उपयोग के लिए ऑटोमाइज्ड अधीकृत तुलाई कांटों के लिए मोबाइल एप्प भी जल्द ही जारी किया जाएगा। उन्होंने अधीक्षण खनि अभियंता, खनि अभियंता और सहायक खनि अभियंताओं से फील्ड में दौरा कर मोनेटरिंग, खानधारकों से समन्वय और फीड बैक के निर्देश दिए। एसीएस खान अपर्णा अरोरा ने बताया कि पहले चरण के 309 तुलाई कांटों में से 130 तुलाई कांटों पर लाइव परीक्षण शुरु कर दिया गया है, शेष 179 तुलाई कांटों का 20 अप्रेल तक लाइव परीक्षण शुरु कर दिया जाएगा। उन्होंने लीजधारकों से भी आगे आकर तुलाई कांटों के ऑटोमाइज्ड व्यवस्था से जुड़ने का आग्रह किया है। एडप्ट इंफ्रा के लीजधारक हरि सिंह चौधरी व गौरव खंडेलवाल सहित उपस्थित लीजधारकों से फीडबेक लिया और आईटी टीम के आवश्यक निर्देश दिए।

घटना के 11 साल बाद रिटायर चिकित्सा अधिकारी को दी गई चार्जशीट पर रोक

हाईकोर्ट ने मुख्य चिकित्सा सचिव और कार्मिक सचिव को नोटिस जारी कर जवाब मांगा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने साल 2013 में मुख्य चिकित्सा अधिकारी रहते बनाई मेडिकल रिपोर्ट को लापरवाही से तैयार करना बताकर साल 2024 में रिटायर चिकित्सा अधिकारी को दी चार्जशीट पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में मुख्य चिकित्सा सचिव और कार्मिक सचिव को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस मुन्नूरी लक्ष्मण की एकलपीठ ने यह आदेश डॉ. अमर सिंह मीणा की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

- **चार्जशीट में आरोप है कि 8 मार्च 2013 को बनाई प्रारंभिक चोट रिपोर्ट को तैयार करने में लापरवाही बरती गई है**

याचिका में अधिवक्ता तरुण जैमन ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता साल 2013 में करौली के हिंडौन में मुख्य चिकित्सा अधिकारी था। इस दौरान उसने 8 मार्च, 2013 को वीर सिंह का मेडिकल करते हुए उसके 9 चोटे आना बताया था। याचिका में कहा गया कि उसे 12 जून, 2024 को विभाग ने चार्जशीट देते हुए आरोप लगाया की वीर सिंह की मौत के बाद 12 मार्च, 2013 को एसएमएस अस्पताल में हुए पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में उसके 29 चोटें पाई गई थी। चार्जशीट में आरोप लगाया गया की उसने 8 मार्च को बनाई प्रारंभिक चोट रिपोर्ट को तैयार करने में लापरवाही बरती है। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि याचिकाकर्ता कई साल पहले रिटायर हो चुका है। वहीं पेंशन सेवा नियम, 1996 के तहत रिटायर कर्मचारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई आरंभ नहीं की जा सकती। इसके अलावा घटना के 11 साल बाद चार्जशीट देना गलत है। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी करते हुए चार्जशीट पर रोक लगा दी है।

सड़क दुर्घटना में पत्रकार देवेन्द्र शर्मा का निधन

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में मंगलवार शाम को सड़क दुर्घटना में गंभीर घायल हुए

पत्रकार देवेन्द्र शर्मा (45) का बुधवार को उपचार के दौरान निधन हो गया। मंगलवार रात मालवीय नगर में ओटीएस चौराहे और राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आर.आई.सी.) के पास देवेन्द्र की बाइक को तेज रफ्तार कार चालक ने टक्कर मार दी थी। इस हादसे में पत्रकार देवेन्द्र शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में भर्ती करवाया गया। डॉक्टर्स ने मध्यरात्रि में उनके सिर का ऑपरेशन भी किया, लेकिन भरकस प्रयासों के बावजूद देवेन्द्र की जान नहीं बचा पाये। बुधवार को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

इस संबंध में मृतक देवेन्द्र के भाई दिनेश शर्मा ने मामला दर्ज करवाया है। इस मामले की जांच पड़ताल सड़क दुर्घटना थाना पूर्व पुलिस की ओर से की जा रही है।

ज्ञात रहे कि देवेन्द्र शर्मा ने राष्ट्रदूत समाचार पत्र से अपने पत्रकारिता करियर की शुरूआत की और लंबे समय तक यहां सेवाएं दीं। वे कई मीडिया संस्थानों में अपनी सेवाएं दे चुके थे।

जांच अधिकारी हैड कांस्टेबल सरदारमल ने बताया कि सड़क दुर्घटना थाना पूर्व पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के हवाले कर दिया है। टक्कर मारने वाली कार को डिटेन कर लिया गया है, जल्द ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सार-समाचार

अतिक्रमण हटाया, 2 घंटे बाद वही हाल

जयपुर । लालकोठी सब्जी मंडी के आस-पास सड़कों पर अस्थाई अतिक्रमण हटाने को लेकर निगम के सतर्कता दस्ते ने कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान निगम दस्ते का ज्यादा फोकस चालान पर रहा, जबकि सड़क पर लगी दुकानें और सभी ठेलों को हटाने को लेकर लापरवाही बरती गई। खास बात यह है कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दो घंटे बाद ही सड़क पर फिर से ठेले वालों ने डेरा डाल लिया। नगर निगम की सतर्कता शाखा की टीम ने बुधवार को लालकोठी सब्जी मण्डी, हनुमान वाटिका, केश्यावाला पर हो रहे अतिक्रमणों पर कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में टीम द्वारा कार्रवाई कर 15 ट्रक सामान जब्त किया गया और 57 हजार रुपए का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया। इसके साथ ही फुटपाथ पर अतिक्रमण करने वालों को दुबारा अस्थाई अतिक्रमण न करने की समझाइश भी की गई। इस कार्रवाई के दौरान दस्ते ने पुलिस मुख्यालय से लगती सड़क पर लगे सभी ठेलों को नहीं हटाया तो सड़क पर लगी दुकान का चालान काट कर इतिश्री कर ली। सड़क पर लगी दुकान से इस रोड पर जाम के हालात रहते है। निगम ने इस रोड पर लगे ठेलों को तिरपाल से ढकवा दिया।

पुलिस कमिश्नर 11 को करेंगे जनसुनवाई

जयपुर । आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय कायम रखने के उद्देश्य से जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल 11 अप्रैल (शनिवार) को पुलिस थाना चौमूं में जनसुनवाई करेंगे। यह जनसुनवाई दोपहर 11:30 बजे से 1:30 बजे तक आयोजित होगी, जिसमें क्षेत्र के परिवादियों की समस्याएं सुनी जाएंगी और मौके पर समाधान का प्रयास किया जाएगा। पुलिस प्रशासन के अनुसार इस जनसुनवाई में चौमू सर्किल के चौमूं, हरमाड़ा, विश्वकर्मा और दौलतपुरा थाना क्षेत्रों से जुड़े परिवादियों की शिकायतों पर सुनवाई की जाएगी। इसका मुख्य उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित निस्तारण कर उन्हें राहत प्रदान करना है। गौरतलब है कि इससे पहले भी पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल द्वारा एसीपी कार्यालय झोटवाड़ा, सामुदायिक भवन सांगानेर, पुलिस थाना शिप्रापथ, विद्याधर नगर, भांकरोटा, बस्सी और शिवदासपुरा थानों में जनसुनवाई कर लोगों की समस्याओं का मौके पर समाधान किया जा चुका है। पुलिस प्रशासन ने संबंधित क्षेत्रों के नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी समस्याओं के समाधान के लिए निर्धारित समय पर उपस्थित होकर जनसुनवाई का लाभ उठाएं।

अष्टम पोषण पखवाड़ा आज से शुरू होगा

जयपुर । महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ओर से प्रति वर्ष सभी लाइन विभागों, सेवा प्रदाताओं, सहयोगी संस्थाओं के साथ समन्वय से पोषण पखवाड़ा मनाया जाता है। जिससे समग्र रूप से पोषण संबंधी परिणामों में सुधार किया जा सके। आई सी डी एस निदेशालय की अतिरिक्त निदेशक अनुपमा टेलर ने बताया कि अष्टम पोषण पखवाड़ा-2026 देशभर में 9 से 23 अप्रैल 2026 तक मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस वर्ष थीम "जीवन के प्रथम 6 वर्षों में अधिकतम मस्तिष्क विकास" रखी गई है। शासन सचिव पूनम ने इस संबंध में सभी कलेक्टर एवं निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं राजस्थान श्री ासुदेव मालावत ने सभी उपनिदेशक महिला एवं बाल विकास विभाग व बाल विकास परियोजना अधिकारी को पत्र लिखकर पोषण पखवाड़े के सफलतापूर्वक आयोजित के निर्देश दिए हैं। इसके लिए विभिन्न विभागों से अभिसरण कर गतिविधि कलेण्डर के अनुसार गतिविधियाँ आयोजित करने तथा जन आंदोलन डैशबोर्ड पर प्रतिदिन की प्रविष्टियां दर्ज करने को कहा गया है।

मादक पदार्थ के साथ तस्कर गिरफ्तार

जयपुर । जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने एमडी तस्करी करने के आरोप में शातिर तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए जब्त कर गिरफ्तार अभियुक्त से गिरोह में शामिल व खरीद -फरोख्त करने वालों के बारे मे जानकारी जुटाने शुरु कर दिया है। एएसआई गोपाल लाल ने बताया कि गश्त के दौरान जगतपुरा इलाके में एक युवक प्लास्टिक की पारदर्शी पॉलीथीन में लेकर खड़ा हुआ था। चैकिंग करने पर पॉलीथीन में सफेद रंग का दानेदार एकडीएमए बरामद हुई। पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए सहित आरोपी योगेंद्र सिंह (22) पुत्र रघुवीर सिंह आरकेनपुरम ,सीतापुरा ,सांगानेर निवासी को दबोच लिया। पुलिस गिरफ्तार अभियुक्त से अवैध मादक पदार्थ खरीद-फरोख्त करने वालों के बारे में गहनता से पूछताछ करने में जुटी है। मामले की अग्रीम कार्यवाही मालवीय नगर थानाधिकारी विरेंद्र सिंह के सुपुर्द की गई है।

वीरांगना को मिली अनुकम्पा नियुक्ति

जयपुर । जयपुर जिला प्रशासन ने स्वर्गीय सैनिक मदन लाल की धर्मपत्नी सुमन देवी को कनिष्ठ सहायक के पद पर नियुक्ति प्रदान की है। सीकर जिले की परडोली छोटी (तहसील सीकर ग्रामीण) निवासी सुमन देवी को जयपुर कलेक्टर कार्यालय में पदस्थापित किया गया है। नियुक्ति आदेश जारी होने के पश्चात उन्होंने कलेक्ट्रेट पहुंचकर अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। कलक्टर संदेश नायक ने कहा, "शहीद सैनिकों का बलिदान राष्ट्र की सर्वोच्च धरोहर है।

पश्चिम विक्षोभ का असर खत्म, अब 5 दिन शुष्क रहेगा मौसम

जयपुर । पश्चिम विक्षोभ के असर से जयपुर सहित प्रदेश के करीब एक दर्जन से अधिक शहरों में मंगलवार देर रात तक बारिश का दौर जारी रहा। बुधवार को भी प्रदेश के आधा दर्जन शहरों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। प्रदेश में अब पश्चिम विक्षोभ का असर खत्म हो गया। प्रदेश में गुरुवार से आगामी चार-पांच दिन मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को करौली, कोटपुतली, खैरथल-तिजारा सहित कुछ अन्य शहरों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। बुधवार को अधिकांश शहरों में मौसम शुष्क रहा और धूप खिली। इससे शहरों के पारे में बढ़ोतरी दर्ज की गई तो रात के पारे में गिरावट दर्ज की गई। 35.2 डिग्री के साथ बाड़मेर का दिन और 23.2 डिग्री के साथ फलौदी की रात सबसे गर्म रही।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि मंगलवार को विक्षोभ के प्रभाव से पूर्वी राजस्थान में अनेक स्थानों पर तथा पश्चिमी राजस्थान में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। सर्वाधिक बारिश शाहपुरा (जयपुर) में 45.0 मिलीमीटर दर्ज की गई। विक्षोभ के असर से राज्य में तापमान भी सामान्य से नीचे दर्ज किये जा रहे है बुधवार दोपहर बाद पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव राज्य के अधिकांश भागों से समाप्त हो गया है। बुधवार को कोटा, भरतपुर संभाग में छुटपुट स्थानों पर हल्की बारिश दर्ज की गई शेष अधिकांश भागों में मौसम मुख्यत: शुष्क रहने की संभावना है। 9 अप्रेल से राज्य में आगामी 4-5 दिन मौसम मुख्यत: शुष्क रहने की प्रबल संभावना है। आंधी बारिश के प्रभाव से राज्य के अधिकांश भागों में वर्तमान में अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 9 डिग्री नीचे दर्ज किया जा रहा है। आगामी 2-3 दिनों में अधिकतम तापमान में 3-4 डिग्री बढ़ोतरी होने की प्रबल संभावना है। जयपुर में मंगलवार देर रात तक बारिश का दौर चला। बुधवार को दिनभर छितराए बादल छाए रहे और धूप खिली। दोपहर बाद काले घने बादल भी नजर आए, लेकिन बरसात नहीं हुई। जयपुर के दिन के तापमान में 0.1 डिग्री की बढ़ोतरी तो वहीं रात के पारे में 4.6 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई।

- **जयपुर में बुधवार को दिनभर छितराए बादल छाए रहे और धूप खिली**

पतंजलि ने रचा 'विश्व भेषज संहिता' महाग्रंथ, डब्ल्यूएचओ ने 'असंभव' कहकर छोड़ा था

अब 'गूगल' अपनी एआई के लिए मांग रहा संग्रहित किया डेटा

हरिद्वार (कासं)। कभी दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य संस्था ने जिस काम को 'असंभव' मानकर बीच रास्ते में छोड़ दिया था, उसी कार्य को भारत में एक संकल्प ने न केवल आगे बढ़ाया, बल्कि उसे इतिहास में दर्ज कर दिया। यह कहानी है उस अद्भुत पुरुषार्थ की, जहां तप, शोध और दूरदर्शिता ने मिलकर 'विश्व भेषज संहिता' जैसा महाग्रंथ रच दिया और आज हालात यह है कि डिजिटल युग की दिग्गज कंपनी गूगल भी उसी ज्ञान को प्राप्त करने के लिए पतंजलि के दरवाजे पर दस्तक दे रही है।

आचार्य बालकृष्ण

देहरादून के दून पुस्तक मेले में पतंजलि ग्रुप के आचार्य बालकृष्ण ने खुलासा करते हुए बताया कि, वर्ष 1999 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने एक महत्वाकांक्षी परियोजना शुरू की। लक्ष्य था, दुनिया भर की वनस्पति आधारित चिकित्सा पद्धितयों, औषधीय पौधों और पारंपरिक ज्ञान को एकत्रित कर एक वैश्विक दस्तावेज तैयार करना। परंतु करीब 11 वर्षों की मेहनत के बाद 2010 में डब्ल्यूएचओ ने इस परियोजना को रोक दिया। कारण साफ था, यह कार्य अत्यधिक व्यापक, जटिल और लगभग असंभव प्रतीत हो रहा था। अंतत: डब्ल्यूएचओ केवल 3 सीमित वॉल्यूम तक ही सिमट गया।

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि, बिना किसी वैश्विक शोर-शराबे के पतंजलि योगपीठ ने 2003-04 से इसी दिशा में काम शुरू कर दिया था। संस्थान को यह भी ज्ञात नहीं था कि डब्ल्यूएचओ इस पर पहले से कार्य कर चुका है। करीब दो दशकों की निरंतर शोध और संकलन के बाद 2022 में यह कार्य अपने पूर्ण स्वरूप में सामने आया।

इस दौरान 3.60 लाख पौधों में से 50 हजार औषधीय पौधों की पहचान, 2000 जनजातियों के पारंपरिक ज्ञान का दस्तावेजीकरण, 964 हीलिंग प्रैक्टिसेस का संकलन, 9 चिकित्सा पद्धितयों का समावेश, 12 लाख से अधिक स्थानीय (वर्नाक्युलर) नामों का संग्रह तथा 2200 से अधिक स्त्रोतों पर आधारित शोध को समेटकर लगभग 1.25 लाख पृष्ठों का 'विश्व भेषज संहिता' तैयार हुआ।

- **विश्व भेषज संहिता में 109 खंड, डब्ल्यूएचओ 10 वर्षों में सिर्फ 3 वॉल्यूम निकाल पाया था**
- **दून पुस्तक मेले में पतंजलि ग्रुप के आचार्य बालकृष्ण ने खुलासा किया**

आचार्य बालकृष्ण का कहना है कि, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा के इस युग में, जब दुनिया डिजिटल ज्ञान पर निर्भर है, तब गूगल जैसी टेक दिग्गज कंपनी ने पतंजलि से एविडेंस-बेस्ड डेटा के लिए संपर्क साधा है।

यानि गूगल एआई के प्रयोग के लिए पतंजलि का संग्रहित साक्ष्य आधारित डेटा मांग रहा है, ताकि वह इस डेटा से एआई को और मजबूत कर सके। यह केवल एक सहयोग नहीं, बल्कि इस बात का संकेत है कि भारत का पारंपरिक ज्ञान अब वैश्विक टेक्नोलॉजी के केंद्र में पहुंच चुका है।

तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से ऑटो रिक्शा चालक की मौत

जयपुर । ट्रांसपोर्ट नगर थाना इलाके में अज्ञात वाहन कि चपेट में आने से ऑटो चालक की उपचार दौरान मौत हो गई। मेडिकल इत्तला पर अस्पताल पहुंची पुलिस ने मृतक के भतीजे की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने और हादसे के बाद फरार होने का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है।

दुर्घटना थाना पूर्व के हेड कांस्टेबल दिलीप सिंह ने बताया कि मृतक भतीजे कुलदीप सिंह सुमेर रोड स्थित ज्योति नगर ,जामडोली निवासी कुलदीप सिंह ने मामला दर्ज कराया है कि उसके चाचा बलबीर सिंह पुत्र रतन सिंह ऑटो से जामडोली मार्ग होते हुए मच्छी दरवाजा,नाहरसिंह बाबा मंदिर के पास से जा रहे थे। तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हे पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वो गंभीर रुप से घायल हो गए। राहगीरों ने एम्बुलेंस की सहायता से उन्हे सवाई मानसिंह अस्पताल भिजवाया। जहां पर उपचार दौरान ट्रोमा इमरजेंसी में उनकी मौत हो गई। पुलिस ने पीड़ित भतीजे की शिकायत पर वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया।

4 दिन बाद भी मेडिकल रिपोर्ट नहीं

जयपुर । नारायण विहार क्षेत्र के वंदेमातरम रोड स्थित सांवरिया फिलिंग स्टेशन पर 4 अप्रैल को हुए हमले में पंप मालिक सोहनलाल चौधरी और दो कर्मचारियों को गंभीर चोटें आईं, लेकिन चार दिन बाद भी मेडिकल रिपोर्ट नहीं आने से पुलिस कार्रवाई अटकी हुई है। हमले में सोहनलाल के सिर पर 7 और कर्मचारी माहिर के सिर पर 14 टांके आए, जबकि संतोष कुमार को हल्की चोटें आईं। आरोपियों ने मारपीट के दौरान 43 हजार रुपए भी छीन लिए। घटना के बाद रिपोर्ट दर्ज कर ली गई, लेकिन मेडिकल रिपोर्ट के अभाव में पुलिस ने सामान्य मारपीट व चोरी की धाराओं में केस दर्ज किया। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरों में कैद है। जानकारी के अनुसार, कार सवार युवकों ने प्लास्टिक बोतल में पेट्रोल भरने की मांग की, जिसे नियमों के चलते मना करने पर विवाद हुआ।

पचपदरा रिफाइनरी परियोजना प्रदेश को आत्मनिर्भर और आर्थिक समृद्ध बनायेगी : मदन राठौड़

लगभग 90 हजार लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने की उम्मीद : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

जयपुर (कासं)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 अप्रैल 2026 को पचपदरा रिफाइनरी परियोजना का लोकार्पण करेंगे। इसे प्रदेश के लिए गर्व का विषय बताते हुए राठौड़ ने कहा कि यह परियोजना राजस्थान को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ आर्थिक विकास को नई दिशा देगी। राठौड़ ने कहा कि पश्चिमी राजस्थान के बालोतरा जिले के पचपदरा क्षेत्र में निर्माणाधीन रिफाइनरी परियोजना राज्य के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि साबित होने जा रही है, जिसकी आधारशिला वर्ष 2007-08 में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के नेतृत्व में रखी गई थी।

राठौड़ ने कहा कि रिफाइनरी परियोजना रोजगार सृजन का बड़ा माध्यम बनेगी। पहले जहां 10 से 30 हजार लोगों के रोजगार की संभावना थी, वहीं अब लगभग 90 हजार लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि परियोजना के लिए पानी की व्यवस्था को लेकर सरकार ने नवाचार करते हुए पाली, बालोतरा एवं जोधपुर क्षेत्र के शोधन किए गए अपशिष्ट जल के उपयोग का प्रस्ताव तैयार किया है, जिससे आमजन के लिए पेयजल की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी। भाजपा सरकार जनसेवा के उद्देश्य से कार्य कर रही है और प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

राठौड़ ने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सितंबर 2013 में यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी को पचपदरा बुलाकर रिफाइनरी परियोजना का शिलान्यास कराया, जो केवल एक चुनावी ढोंग साबित हुआ। उस समय न तो भूमि का अधिग्रहण किया गया था और न ही आवश्यक पर्यावरणीय स्वीकृतियां ली गई थीं, जिसके कारण कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में परियोजना पर कोई ठोस कार्य प्रारंभ नहीं हो सका।

गहलोत सरकार द्वारा किया गया समझौता राज्य के हितों के विपरीत था। इस समझौते के तहत राजस्थान सरकार को 15 वर्षों तक प्रति वर्ष 3736 करोड़ रुपए बिना ब्याज के संबंधित कंपनी को देने का प्रावधान किया गया था, जो रिफाइनरी परियोजना में क्रूड निकालने का कार्य करती। राठौड़ ने कहा कि जमीन हमारी, तेल हमारा और भुगतान भी हम ही करें, जबकि हमें केवल 26 प्रतिशत इक्विटी मिले और 74 प्रतिशत हिस्सेदारी कंपनी को दी जाए-यह पूरी तरह से राज्य के साथ अन्याय था। उन्होंने बताया कि भाजपा सरकार के पुन: सत्ता में आने के बाद इस समझौते में व्यापक सुधार किए गए।

राज्य सरकार का वित्तीय भार कम करते हुए लगभग 40 हजार करोड़ की बचत सुनिश्चित की गई तथा अनावश्यक वार्षिक भुगतान की शर्तों को समाप्त किया गया। साथ ही, परियोजना में राज्य की हिस्सेदारी बढ़ाकर उसे अधिक लाभकारी बनाया गया। वर्तमान में राज्य का वित्तीय योगदान लगभग 16,845 करोड़ तक सीमित किया गया है।